<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 34

14 सितंबर, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योग में वैश्विक प्रतिस्पर्धा

34. श्री उपेन्द्र सिंह रावतः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्रक इस्पात कंपनियां वैश्विक इस्पात विनिर्माण कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही हैं और यदि हां, तो इस चुनौती का सामना करने में इस्पात कंपनियों को समर्थ बनाने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं;

(ख) क्या विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान सरकारी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों की वित्तीय कार्य निष्पादनता में सुधार हुआ है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और उक्त अवधि में लाभ अर्जित करने वाली और हानि उठाने वाली कंपनियों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उक्त अवधि के दौरान इस्पात कंपनियों की प्रचालनात्मक लागत और आदान लागत में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रचालन लागत में कमी हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री (श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क): सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनियों सहित भारतीय इस्पात कंपनियों ने पिछले कुछ वर्षों में निर्यात सहित अपनी क्षमता, उत्पादन और बिक्री में लगातार वृद्धि की है। घरेलू कच्चे इस्पात उत्पादन की क्षमता को वर्ष 2014-15 में 109.85 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से वर्ष 2019-20 में 142.29 एमटीपीए तक बढ़ाया गया है जबकि कच्चे इस्पात का उत्पादन वर्ष 2014-15 में 88.98 एमटीपीए से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 109.14 एमटीपीए हो गया है। वर्ष

2019-20 में भारत इस्पात का निवल निर्यातक था और अप्रैल-अगस्त 2020 की अवधि के दौरान भारत से इस्पात के निर्यात में वर्ष 2019-20 की समान अवधि की तुलना में 153% की वृद्धि हुई है।

(ख) से (घ): सार्वजनिक क्षेत्र की दो इस्पात कंपनियाँ अर्थात् स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) हैं। गत तीन वर्षों के दौरान सेल और आरआईएनएल के वित्तीय कार्यनिष्पादन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वर्ष	**टर्नओवर (सकल)**	**कर पश्चात् शुद्ध लाभ (+)/ हानि (-) (पीएटी) (करोड़ रुपये)**
सेल		
2017-18	58297	-482
2018-19	66267	2179
2019-20	61025	2022
आरआईएनएल		
2017-18	16618.40	-1369.01
2018-19	20844.38	96.71
2019-20	15920.46	-3910.17

इस्पात सीपीएसई प्रौद्योगिकी को शामिल करके, उत्पादकता में वृद्धि और खरीद को कारगर बनाते हुए प्रचालन लागतों को कम करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

****